Daulat Ram College

(University of Delhi)

EVENT REPORT (2024-25)

NAME OF THE EVENT: *एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी "वैश्विक स्तर पर हिन्दी शिक्षण की चुनौतियाँ"*			
DATE	**DEPARTMENT**	**COMMITTEE/ SOCIETY**	**COORDINATOR'S NAME**
05 सितम्बर 2024	हिंदी विभाग	हिंदी साहित्य परिषद्	**संयोजक** (Convenor) डॉ. ज्योति शर्मा (विभागाध्यक्षा) **संयोजक** (convenor) डॉ. संतोष कुमार भारद्वाज
TIME	**VENUE**	**NUMBER OF PARTICIPANTS**	**NATURE: Outdoor/Indoor; online/offline/hybrid**
प्रातः 10:40 बजे से- सांयकाल 6 बजे तक	**Zoom एवं (दौलत राम महाविद्यालय प्रांगण)**	187	**ऑनलाइन एवं ऑफलाइन**
FINANCIAL SUPPORT/ ASSISTANCE (if any):			**दौलत राम महाविद्यालय**

BRIEF INFORMATION ABOUT THE ACTIVITY

TOPIC/SUBJECT OF THE ACTIVITY	"वैश्विक स्तर पर हिन्दी शिक्षण की चुनौतियाँ"
OBJECTIVES	इस संगोष्ठी का उद्देश्य विभिन्न तकनीकी माध्यमों का हिन्दी शिक्षण के वैश्विक स्तर पर संवर्धन में अनुप्रयोग, वैश्विक स्तर पर हिन्दी शिक्षण के अंतर्गत आने वाली चुनौतियाँ

	और उनका समाधान किस प्रकार किया जा सकता है पर विचार विमर्श और हिन्दी को वैश्विक स्तर पर लोकप्रिय कैसे बनाया जाए पर गहन चिंतन एवं मनन करना है।
METHODOLOGY	प्राध्यापकों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं प्रतिभागियों को व्याख्यान के माध्यम से किस प्रकार वैश्विक स्तर पर शिक्षण -अधिगम पद्धतियों का प्रयोग कर हिन्दी शिक्षण को विदेशी छात्राओं के स्तर अनुकूल बनाया जा सकता है का संज्ञान कराया जाएगा । प्रश्न और उत्तर के माध्यम से भी उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया जाएगा ।
INVITED SPEAKERS WITH AFFLIATION DETAILS (IF ANY)	प्रो.कुमुद शर्मा (हिन्दी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय),प्रो. नरेंद्र मिश्र (इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय), प्रो. मंजु मुकुल (हिन्दी विभाग,दिल्ली विश्वविद्यालय) ,प्रो. श्रीनिवास त्यागी(गार्गी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय), प्रो. वेदप्रकाश सिंह (विजिटिंग प्रो. ओसाका विश्वविद्यालय, जापान) डॉ. यन् वू सो(विजिटिंग प्रो. सुसान यूनिवर्सिटी ऑफ फॉरेन स्टडीज दक्षिण कोरिया) , डॉ. सुनील कुमार वर्मा (हिन्दी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय), प्रो. प्रमोद तिवारी (संयुक्त निदेशक एस. ओ.एल.,दिल्ली विश्वविद्यालय),डॉ. राजशेखर (आई. सी. सी.आर. चेयर महात्मा गांधी संस्थान मॉरीशस) , प्रो. उल्फत मुखीबोवा (ताशकंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ ओरिएंटल स्टडीज उज़्बेकिस्तान), डॉ. प्रशांत कुमार सिंह (हंसराज महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय), प्रो. नीलम राठी (अदिति महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय) ,प्रो. राजेश लक्ष्मण (हिन्दी शिक्षा संघ, दक्षिण अफ्रीका संचालन प्रबंधक, दक्षिण अफ्रीका), डॉ. निलुफ़र खोडजायेवा(ताशकंद राजकीय प्राच्य विद्या विश्वविद्यालय ,उज़्बेकिस्तान), डॉ. प्रदीप सिंह (हिन्दी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय)
OUTCOMES	इस संगोष्ठी के माध्यम से प्राध्यापकों, शोधार्थियों एवं प्रतिभागियों की उन जिज्ञासाओं का शमन हुआ जो विदेशी छात्रों को हिन्दी भाषा शिक्षण देने के अंतर्गत आती हैं। हिन्दी को वैश्विक स्तर पर विदेशी सभ्यता एवं संस्कृति के साथ भाषाई सामंजस्य बिठाकर ही संवर्धित किया जा सकता है।

	आधुनिक तकनीकों का आश्रय लेकर विभिन्न सोशल मीडिया के माध्यमों से भी हिन्दी को वैश्विक स्तर पर लोकप्रिय बनाया जा सकता है।

PROOFS & DOCUMENTS ATTACHED (Tick mark the proofs attached):

1 Notice & Letters √	2 Number of Participants & Name of participants √	3 Video clip √	4 Photos √	5 Feedback Form & Analysis √
6 News clip with details	7 Sample Copy of the Certificate √	8 Posters/ Invites √	9 Event report assisted by event coordinator & IQAC coordinator √	10 Any other

IQAC Document No:	Criterion No: III & VI

NAME OF TEACHER & SIGNATURE	NAME OF HEAD/ COMMITTEE INCHARGE & SIGNATURE	IQAC COORDINATOR (SEAL & SIGNATURE)
डॉ. ज्योति शर्मा	**डॉ. ज्योति शर्मा**	

प्रस्ताव

एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी 05 सितम्बर,2024

("**वैश्विक स्तर पर हिन्दी शिक्षण की *चुनौतियाँ***")

सेवा में,
संयोजक महोदया,
हिन्दी विभाग एवं हिन्दी साहित्य परिषद् 05 सितम्बर 2024 को " वैश्विक स्तर पर हिन्दी शिक्षण की *चुनौतियाँ*" विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन कर रहा है।

<u>एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी</u>

'वैश्विक स्तर पर हिंदी शिक्षण की चुनौतियाँ'

समकालीन विश्व में हिंदी भाषा अपनी सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक चेतना की वजह से आकर्षण के केंद्र में है। आज विश्व के अधिकांश देश हिंदी भाषा में अनुस्युत ज्ञान को अपनी युवा पीढ़ी में संप्रेषित करना चाहते हैं। अधिकांश देशों को यह बात समझ में आ गई है कि व्यक्तिगत और सामाजिक विचलन को भारतीय आध्यात्मिक ज्ञान से ही नियंत्रित किया जा सकता है। इन्हीं कारणों से विश्व के अनेक देशों के विश्वविद्यालयों के विभागों में हिंदी भाषा का व्याकरण और आध्यात्मिक साहित्य पढ़ाया जा रहा है। भारत सरकार भी विदेशों में हिंदी भाषा के प्रचार- प्रसार और शिक्षण के लिए निरंतर प्रयासरत है। उससे भी ज्यादा महत्त्वपूर्ण बात यह है कि हिंदी भाषा वैश्विक स्तर पर बाजार और व्यापार की भाषा बनने के कारण चर्चा के केंद्र में है। भूमंडलीकरण ने पहली बार पूरे विश्व के द्वार भारत में व्यापार के लिए खोल दिए हैं। आने वाले समय में भारत ,अमेरिका और चीन से भी बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बनने की ओर अग्रसर है। इससे हिंदी भाषा भी वैश्विक स्तर पर सुदृढ़ हो रही है। भारत की विशाल जनसंख्या के लिए यह एक सुअवसर है कि हिंदी भाषा के माध्यम से उसके लिए विश्व के दरवाजे खुल रहे हैं। अनेक भारतीय अध्यापक केवल हिंदी भाषा के माध्यम से अध्ययन-अध्यापन विदेशों में कर रहे हैं। वस्तुत: हिंदी भाषा और साहित्य में रुचि रखने वाली युवा पीढ़ी के लिए विश्व में संभावनाओं के द्वार खुल रहें है। आज हिंदी बारह से अधिक देशों में बहुसंख्यक समाज की मुख्य भाषा है, तो फिजी, गुयाना, सूरीनाम, टोबोगो, त्रिनिदाद, तथा अरब अमीरात आदि देशों में हिंदी को अल्पसंख्यक भाषा के रूप में संवैधानिक दर्जा प्राप्त है। आज लगभग एक चौथाई दुनिया में हिंदी का परचम लहरा रहा है। यह भी महत्वपूर्ण है कि अमेरिका, इंग्लैंड, जर्मनी, दक्षिण अफ्रीका, नेपाल, मॉरीशस, न्यूजीलैंड, सिंगापुर, यमन, युगांडा इन दस देशों में हिंदी भाषी भारतीयों की जनसंख्या दो करोड़ से अधिक है। इन देशों में लोगों के बीच बोलने, लिखने-पढ़ने तथा अध्ययन और अध्यापन की दृष्टि से भी हिंदी भाषा का महत्त्व लगातार बढ़ रहा है। वर्तमान में वैश्विक स्तर पर हिंदी भाषा स्वयं को स्थापित करती जा रही है। दुनिया में सबसे ज़्यादा बोली जाने वाली पाँच भाषाएँ अंग्रेज़ी (1.3 बिलियन), मदारिन चीनी (1.1 बिलियन), हिंदी (637 मिलियन), स्पेनिश (537 मिलियन) और फ्रेंच (267 मिलियन) हैं। आज हिंदी विश्वभाषा है और उसके बोलने-समझने वालों की संख्या लगभग संसार में तीसरी है। विश्व के 132 देशों में बसे भारतीय मूल के लगभग 2 करोड़ लोग एक-दूसरे से संवाद हिंदी भाषा में ही करते हैं। वैश्विक पटल पर हिंदी भाषा के महत्व को देखते हुए हिंदी के वैश्विक विकास के लिए एक ठोस भूमि तैयार करने की आवश्यकता है, जिससे हिंदी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचानी जाए।

यह तभी संभव हो सकता है जब हिंदी को राष्ट्रभाषा का दर्जा देने के साथ-साथ इसे संयुक्त राष्ट्रसंघ की सातवीं आधिकारिक भाषा के रूप में स्वीकृति दिलाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए जाए। हालांकि इस दिशा में विश्व स्तर पर कार्य हो रहा है और प्रगति भी दिख रही है। विश्व में हिंदी को अपना स्थान बनाये रखने के लिए हमें मिलकर प्रयास करने की जरूरत है। भारतीयों के लिए हर्ष का विषय है कि हिंदी जहाँ रोजगार की संभावनाओं के द्वार खोल रही है, वही चिंतन का विषय यह है कि विदेशों में हिंदी शिक्षण की कोई स्पष्ट रूपरेखा या पाठ्यक्रम का अभाव होने के कारण विदेशों में हिंदी भाषा का शिक्षण करने वालों के समक्ष अनेक चुनौतियाँ हैं।

कार्यक्रम की रूपरेखा

दिनांक : 05/09/2024

उद्घाटन सत्र

स्वागत भाषण : प्रो. सविता रॉय, प्राचार्या, दौलत राम महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
बीज वक्तव्य : डॉ. ज्योति शर्मा (विभागाध्यक्षा) हिन्दी विभाग एवं संगोष्ठी (संयोजक), दौलत राम महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
मुख्य अतिथि : प्रो. कुमुद शर्मा, हिन्दी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय
विशिष्ट अतिथि : प्रो. मंजु मुकुल, हिन्दी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय
विशिष्ट अतिथि : प्रो. नरेंद्र मिश्र, इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

जलपान: 11:00am-11:30am

तकनीकी सत्र- 1

अध्यक्ष : प्रो. श्रीनिवास त्यागी, गार्गी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
मुख्य वक्ता : प्रो. वेदप्रकाश सिंह, विजिटिंग प्रोफ़ेसर, ओसाका विश्वविद्यालय, जापान
विशिष्ट वक्ता : डॉ. यन् वू सोन, विजिटिंग प्रोफेसर, बुसान यूनिवर्सिटी ऑफ फॉरेन स्टडीज, दक्षिण कोरिया
अतिथि वक्ता : डॉ. सुनील कुमार वर्मा, हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय

भोजनावकाश: 1:30pm-2:00pm

तकनीकी सत्र - 2

अध्यक्ष : प्रो. ममता, भीमराव अंबेडकर महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
मुख्य वक्ता : प्रो. उलफ़त मुखीबोवा, ताशकंद स्टेट, यूनिवर्सिटी ऑफ ओरिएंटल स्टडीज, उज्बेकिस्तान
विशिष्ट वक्ता : डॉ. राजशेखर, आईसीसीआर चेयर, महात्मा गांधी संस्थान, मॉरीशस
अतिथि वक्ता : डॉ. प्रशांत कुमार सिंह, हंसराज महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय

तकनीकी सत्र - 3

अध्यक्ष : प्रो. नीलम राठी, अदिति महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
मुख्य वक्ता : प्रो. राजेश लक्ष्मण, हिंदी शिक्षा संघ, दक्षिण अफ्रीका संचालन प्रबंधक, दक्षिण अफ्रीका
विशिष्ट वक्ता : डॉ. निलुफ़र खोडजायेवा, ताशकंद राजकीय प्राच्य विद्या विश्वविद्यालय, उज़्बेकिस्तान
अतिथि वक्ता : डॉ. प्रदीप कुमार सिंह, हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय

शोध-प्रपत्र वाचन/समापन (5:00pm-5:30pm)

धन्यवाद ज्ञापन : डॉ. ज्योति शर्मा, (विभागाध्यक्षा एवं संगोष्ठी संयोजक) हिन्दी विभाग, दौलत राम महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय

जलपान : **5:30pm-6:00pm**

प्रमुख वक्ता :-

प्रो.कुमुद शर्मा (हिन्दी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय),प्रो. नरेंद्र मिश्र (इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय), प्रो. मंजु मुकुल (हिन्दी विभाग,दिल्ली विश्वविद्यालय),प्रो. श्रीनिवास त्यागी(गार्गी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय), प्रो. वेदप्रकाश सिंह (विजिटिंग प्रो. ,ओसाका विश्वविद्यालय, जापान) डॉ. यन् वू सो(विजिटिंग प्रो. , सुसान यूनिवर्सिटी ऑफ फॉरेन स्टडीज दक्षिण कोरिया) , डॉ. सुनील कुमार वर्मा (हिन्दी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय), प्रो. प्रमोद तिवारी (संयुक्त निदेशक एस. ओ.एल.,दिल्ली विश्वविद्यालय),डॉ. राजशेखर (आई. सी. सी.आर. चेयर महात्मा गांधी संस्थान ,मॉरीशस) , प्रो. उल्फत मुखीबोवा (ताशकंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ ओरिएंटल स्टडीज , उज़्बेकिस्तान), डॉ. प्रशांत कुमार सिंह (हंसराज महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय), प्रो. नीलम राठी (अदिति महाविद्यालय , दिल्ली विश्वविद्यालय) ,प्रो. राजेश लक्ष्मण (हिन्दी शिक्षा संघ, दक्षिण अफ्रीका संचालन प्रबंधक, दक्षिण अफ्रीका), डॉ. निलुफ़र खोडजायेवा(ताशकंद राजकीय प्राच्य विद्या विश्वविद्यालय ,उज़्बेकिस्तान), डॉ. प्रदीप सिंह (हिन्दी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय)

संयोजक - डॉ. ज्योति शर्मा
संयोजक - डॉ. संतोष कुमार भारद्वाज
सह- संयोजक - डॉ. समला देवी
सह- संयोजक - डॉ. विजय कुमार
सह- संयोजक - डॉ. अविनाश मिश्रा
आयोजन समिति सदस्य:-
*डॉ. सीमा रानी, डॉ. सुनीता दुरंगल, डॉ. अनीता मिंज, डॉ. कुसुमलता, डॉ. संतोष सेन, डॉ. नीतू गुप्ता, डॉ विद्या राम मीणा,डॉ. मनीष कुमार चौधरी, डॉ. शीतल, डॉ. संजीता , डॉ. संतोष।

आपसे विनम्र अनुरोध है इस अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन की अनुमति देकर अनुग्रहित करें।

शुभाकांक्षी
डॉ. ज्योति शर्मा
विभागाध्यक्षा एवं संगोष्ठी संयोजक
हिन्दी विभाग एवं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी (05/09/2024)

05 सितम्बर (रजिस्ट्रेशन लिंक)

https://docs.google.com/forms/d/1gfkhzCuQ96jtDNJ-vWjI6nVpFoyG7dv1lTWWyU3uIYE/viewform?edit_requested=true

05 सितम्बर (ज़ूम/ Zoom लिंक)

https://zoom.us/j/91051999358?pwd=7pliNatod9nnfgZDByJFek9vBz68ZT.1

05 सितम्बर प्रतिक्रिया (Feedback) लिंक

https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSd1TsAg3oTjUuzuRC5Zb_kZyAFSySfpb3w-13EBX4Ecst0GEg/viewform

दौलत राम महाविद्यालय

दिल्ली विश्वविद्यालय

(आई. क्यू.ए.सी. के अंतर्गत)

शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में

हिन्दी विभाग

हिंदी साहित्य परिषद् द्वारा आयोजित

एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी

वैश्विक स्तर पर हिन्दी शिक्षण की चुनौतियाँ

उद्घाटन सत्र

(10:00am-11:00am)

स्वागत भाषण

प्रो. सविता रॉय
प्राचार्या
दौलत राम महाविद्यालय
दिल्ली विश्वविद्यालय

मुख्य अतिथि

प्रो. कुमुद शर्मा
हिन्दी विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

विशिष्ट अतिथि

प्रो. नरेंद्र मिश्र
इन्दिरा गांधी
राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

विशिष्ट अतिथि

प्रो. मंजु मुकुल
हिन्दी विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

बीज वक्तव्य

डॉ. ज्योति शर्मा
(विभागाध्यक्षा)
सह-आचार्य
दौलत राम महाविद्यालय
दिल्ली विश्वविद्यालय

संचालन

डॉ. समला देवी
सहायक आचार्या
दौलत राम महाविद्यालय
दिल्ली विश्वविद्यालय

05 सितम्बर, 2024

दौलत राम महाविद्यालय

दिल्ली विश्वविद्यालय

(आई.क्यू.ए.सी. के अंतर्गत)

शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में

हिन्दी विभाग

हिंदी साहित्य परिषद

द्वारा आयोजित

एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी

वैश्विक स्तर पर हिन्दी शिक्षण की चुनौतियाँ

कॉन्फ्रेंस हॉल

प्रातः 10 बजे से

05 सितम्बर, 2024

सह-संयोजक	**संयोजक**	**समन्वयक**	**प्राचार्या**
डॉ.समला देवी	डॉ.ज्योति शर्मा	प्रो.पद्मश्री मुदग़ल	प्रो.सविता रॉय
डॉ.विजय कुमार	(विभागाध्यक्षा)	(आई.क्यू.ए.सी.)	
डॉ.अविनाश कुमार मिश्रा	डॉ.संतोष कुमार भारद्वाज		

दौलत राम महाविद्यालय

दिल्ली विश्वविद्यालय

(आई. क्यू.ए.सी. के अंतर्गत)

शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में

हिन्दी विभाग

हिंदी साहित्य परिषद् द्वारा आयोजित

एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी

वैश्विक स्तर पर हिन्दी शिक्षण की चुनौतियाँ

तकनीकी सत्र - 1

(11:30am-1:30pm)

अध्यक्ष

प्रो. श्रीनिवास त्यागी
गार्गी महाविद्यालय
दिल्ली विश्वविद्यालय

मुख्य वक्ता

प्रो. वेदप्रकाश सिंह
विज़िटिंग प्रोफ़ेसर
ओसाका विश्वविद्यालय
जापान

विशिष्ट वक्ता

डॉ. यन् वू सोन
विज़िटिंग प्रोफेसर
बुसान यूनिवर्सिटी ऑफ फॉरेन स्टडीज
दक्षिण कोरिया

अतिथि वक्ता

डॉ. सुनील कुमार वर्मा
हिंदी विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

05 सितम्बर, 2024

दौलत राम महाविद्यालय
दिल्ली विश्वविद्यालय
(आई. क्यू.ए.सी. के अंतर्गत)
शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में
हिन्दी विभाग
हिंदी साहित्य परिषद् द्वारा आयोजित
एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी
वैश्विक स्तर पर हिन्दी शिक्षण की चुनौतियाँ
तकनीकी सत्र - 2
(2:00pm-3:30pm)
अध्यक्ष
प्रो. प्रमोद तिवारी
संयुक्त निदेशक
एस.ओ.एल.
दिल्ली विश्वविद्यालय
मुख्य वक्ता
डॉ. राजशेखर
आईसीसीआर चेयर
महात्मा गांधी संस्थान
मॉरीशस
विशिष्ट वक्ता
प्रो. उलफ़त मुखीबोवा
ताशकंद स्टेट
यूनिवर्सिटी ऑफ ओरिएंटल स्टडीज
उज्बेकिस्तान
अतिथि वक्ता
डॉ. प्रशांत कुमार सिंह
हंसराज महाविद्यालय
दिल्ली विश्वविद्यालय
05 सितम्बर, 2024

दौलत राम महाविद्यालय

दिल्ली विश्वविद्यालय

(आई. क्यू.ए.सी. के अंतर्गत)

शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में

हिन्दी विभाग

हिंदी साहित्य परिषद् द्वारा आयोजित

एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी

वैश्विक स्तर पर हिन्दी शिक्षण की चुनौतियाँ

तकनीकी सत्र - 3

(3:30pm-5:00pm)

अध्यक्ष

प्रो. नीलम राठी
अदिति महाविद्यालय
दिल्ली विश्वविद्यालय

मुख्य वक्ता

प्रो. राजेश लक्ष्मण
हिंदी शिक्षा संघ
दक्षिण अफ्रीका संचालन प्रबंधक
दक्षिण अफ्रीका

विशिष्ट वक्ता

डॉ. निलुफ़र खोडजायेवा
ताशकंद राजकीय प्राच्य विद्या विश्वविद्यालय
उज़्बेकिस्तान

अतिथि वक्ता

डॉ. प्रदीप सिंह
हिंदी विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

05 / सितम्बर / 2024

दौलत राम महाविद्यालय
दिल्ली विश्वविद्यालय
(आई.क्यू.ए.सी. के अंतर्गत)
शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में
हिन्दी विभाग
हिंदी साहित्य परिषद
द्वारा आयोजित
एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी
वैश्विक स्तर पर हिन्दी शिक्षण की चुनौतियाँ
05 सितम्बर, 2024
प्रो.सविता रॉय
प्राचार्या
प्रो.कुमुद शर्मा
दिल्ली विश्वविद्यालय
प्रो.मंजु मुकुल
दिल्ली विश्वविद्यालय
प्रो.नरेंद्र मिश्र
इग्नू
प्रो.नीलम राठी
अदिति महाविद्यालय
प्रो.श्रीनिवास त्यागी
गार्गी महाविद्यालय
प्रो.प्रमोद तिवारी
दिल्ली विश्वविद्यालय
डॉ.प्रदीप कुमार सिंह
दिल्ली विश्वविद्यालय
प्रो.राजेश लक्ष्मण
दक्षिण अफ्रीका
प्रो. उलफ़त मुखीबोवा
उज़्बेकिस्तान
डॉ.निलुफ़र खोडजायेवा
उज़्बेकिस्तान
डॉ.राजशेखर
मॉरीशस
डॉ.सुनील कुमार वर्मा
दिल्ली विश्वविद्यालय
प्रो.वेदप्रकाश सिंह
जापान
डॉ.यन् वू सोन
दक्षिण कोरिया
डॉ.प्रशांत सिंह
हंसराज महाविद्यालय
सह-संयोजक
डॉ.समला देवी
डॉ.विजय कुमार
डॉ.अविनाश कुमार मिश्रा
संयोजक
डॉ.ज्योति शर्मा (विभागाध्यक्षा)
डॉ.संतोष कुमार भारद्वाज

GPS Map Camera
Delhi, Delhi, India

GPS Map Camera
Delhi, Delhi, India

Delhi, Delhi, India
M6Q4+359, Sant Kirpal Singh Marg, Daulat Ram College, Block C, Ma
Nagar, Delhi, 110007, India
Lat 28.687781°
Long 77.205061°
05/09/24 02:13 PM GMT +05:30

GPS Map Camera
Delhi, Delhi, India
Google

GPS Map Camera
Delhi, Delhi, India
Google

GPS Map Camera
Delhi, Delhi, India
Google

elhi, Delhi, India
M6Q4+359, Sant Kirpal Singh Marg, Daulat Ram College, Block C, Maurice N
10007, India
at 28.687771°
ong 77.205076°
5/09/24 04:41 PM GMT +05:30

GPS Map Camera
Delhi, Delhi, India
Google

GPS Map Camera
Delhi, Delhi, India
Google

GPS Map Camera

GPS Map Ca
Delhi, Delhi, India
M6Q4+359, Sant Kirpal Singh Marg, Daulat Ram College, Block C, Maurice Nagar, Roop Nagar, D
110007, India
Lat 28.687764°
Long 77.205091°
05/09/24 04:57 PM GMT +05:30

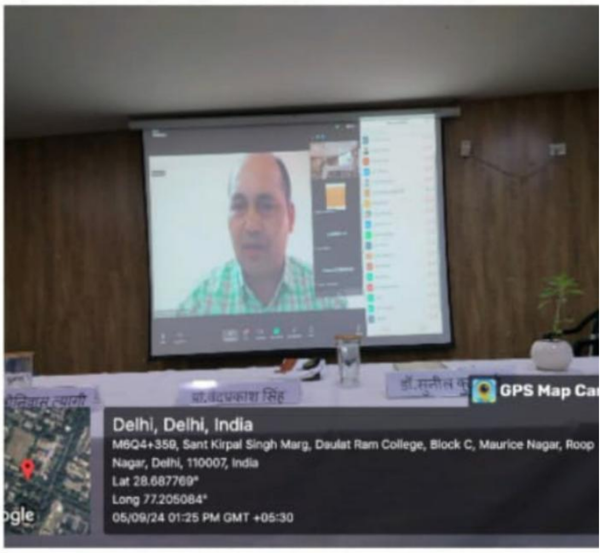
GPS Map Ca
Delhi, Delhi, India
M6Q4+359, Sant Kirpal Singh Marg, Daulat Ram College, Block C, Maurice Nagar, Roop
Nagar, Delhi, 110007, India
Lat 28.687769°
Long 77.205084°
05/09/24 01:25 PM GMT +05:30

डॉ. सुनील कु. वर्मा
डॉ. ज्योति शर्मा

GPS Map Ca
Delhi, Delhi, India
M6Q4+359, Sant Kirpal Singh Marg, Daulat Ram College, Block C, Maurice Nagar, Roop
Nagar, Delhi, 110007, India
Lat 28.687614°
Long 77.205155°
05/09/24 03:22 PM GMT +05:30

05 सितम्बर , 2024 (संगोष्ठी सारांश)

एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी

("**वैश्विक स्तर पर हिन्दी शिक्षण की चुनौतियाँ"**)

दौलत राम महाविद्यालय के हिंदी विभाग एवं हिन्दी साहित्य परिषद् द्वारा प्राचार्या प्रो. सविता रॉय के कुशल मार्गदर्शन में 05 सितम्बर 2024 को शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में "वैश्विक स्तर पर हिन्दी शिक्षण की चुनौतियाँ" विषय पर (दौलत राम महाविद्यालय , दिल्ली विश्वविद्यालय आई. क्यू. ए. सी.) के अंतर्गत एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का दौलत राम महाविद्यालय के प्रांगण में ऑफलाइन और ऑनलाइन माध्यम द्वारा आयोजन किया गया। संगोष्ठी का शुभारंभ उद्घाटन सत्र में दीप प्रज्ज्वलित करके और सरस्वती वंदना से हुआ। सभी अतिथियों का स्वागत अंग वस्त्र , पुष्पगुच्छ एवं पेंटिंग भेंट कर किया गया। हिंदी विभाग विभागाध्यक्षा एवं संगोष्ठी संयोजक डॉ. ज्योति शर्मा ने सर्वप्रथम सभी माननीय अतिथियों का स्वागत किया तत्पश्चात अपने बीज वक्तव्य में बताया कि आज की हिन्दी वैदिक एवं लौकिक संस्कृत, पालि प्राकृत और अपभ्रंश की कुंज गलियों से विचरती अपनी अस्मिता और स्वाभिमान की सुषमा एवं सौरभ के साथ विश्व सिंहासन पर तृतीय स्थान की अधिकारी बन शोभायमान है। प्राचार्या प्रो. सविता रॉय ने अपने संबोधन में कहा कि हिन्दी को लोकप्रिय तभी बनाया जा सकता है जब आप देश में होनी वाली संगोष्ठी को बाहर विदेश में होने वाली संगोष्ठी से अधिक महत्व देंगे। विशिष्ट अतिथि प्रो. नरेंद्र मिश्र(इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय)ने विभिन्न महापुरुषों के हिन्दी भाषा संबंधी सुविचारों से परिचय कराते हुए महात्मा गांधी के हिन्दी संबंधी विचार जो उन्होंने यंग इंडिया में अभिव्यक्त किए थे " यदि मुझे स्वतंत्रता दे दी जाए तो सबसे पहले मैं हिन्दी को आगे बढ़ाऊंगा" से अवगत कराया ।उन्होंने हिन्दी शिक्षण की चुनौतियों के विषय में बताया कि भारत और विश्व में आज भी हिन्दी को अपने सम्माननीय स्थान को पाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। विशिष्ट अतिथि प्रो. मंजु मुकुल (हिन्दी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय) ने हिन्दी को एक सागर एवं एक भरोसा कहा।उनके अनुसार भाषा केवल व्यक्तिगत स्मृति न होकर राष्ट्र की स्मृति होती है। अतः भाषा इतिहास भी है क्योंकि इसमें जो भी दर्ज होता है वह अमिट हो जाता है। उनके वक्तव्य के महत्वपूर्ण बिंदु हिन्दी क्यों सीखना चाहते हैं ? हिन्दी कैसे सीखते हैं? हिन्दी - शिक्षण के समक्ष क्या - क्या चुनौतियां हैं ? हिन्दी इन चुनौतियों से कैसे संघर्ष कर नई राहों का अन्वेषण करेगी आदि बिंदुओं पर विचार व्यक्त किए ।आई.क्यू. ए. सी. संयोजक प्रो. पद्मश्री मुदगल ने हिन्दी को सहज और सरल बनाने पर जोर दिया। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता प्रो. कुमुद शर्मा (विभागाध्यक्षा , हिन्दी विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय) ने की ,उन्होंने कहा कि विश्व स्तर पर हिन्दी की स्वीकार्यता बढ़ने का परिणाम है ऐसी

चुनौतियों का सामने आना , यह सबसे सकारात्मक बात है। संप्रेक्षण किसी भाषा की रीढ़ होता है, आदि महत्वपूर्ण तथ्य एवं उद्धरण देकर उन्होंने अपने वक्तव्य को पुष्ट ही नहीं किया वरन् हिन्दी कक्षा - शिक्षण के अंतर्गत अपने विदेशी   विद्यार्थियों को हिन्दी पढ़ाने के अंतर्गत हुए अनुभव भी हम सभी से साझा किए।इसी अवसर पर इतिहास विभाग के शिक्षक डॉ. राजेश और उनकी छात्राओं द्वारा अनुदित पुस्तक का विमोचन भी किया गया।

तकनीकी सत्र - 1 विशिष्ट वक्ता डॉ. यन् वू सो(विजिटिंग प्रो.बुसान यूनिवर्सिटी ऑफ फॉरेन स्टडीज दक्षिण कोरिया)ने आभासी पटल (zoom, ऑनलाइन) माध्यम से संगोष्ठी में अपने विचार रखे उनके अनुसार भाषा के बिना देश की संस्कृति और अस्मिता ख़त्म हो जाती है । हिन्दी शिक्षण   हेतु एक मानक पाठ्यक्रम उपलब्ध होना चाहिए।मुख्य वक्ता प्रो. वेदप्रकाश सिंह (विजिटिंग प्रो.ओसाका विश्वविद्यालय, जापान) के अनुसार 1908 में टोकियो में हिन्दी शिक्षण प्रारंभ हुआ। हिन्दी साहित्य का मानक स्वरूप न होने के कारण हिन्दी भाषा सीखने में कठिनाई होती है। विदेशों के सेमिनारों में हिन्दी का प्रयोग चुनौती का विषय है। अतिथि वक्ता डॉ. सुनील कुमार वर्मा (हिन्दी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय) ने बताया कि पाठ्यक्रम में एकरूपता   न होना भी चुनौती है एवं हिन्दी को अति शुद्धतावादी दृष्टिकोण से बाहर निकालने की आवश्यकता है। तकनीकी सत्र -2 के अध्यक्ष प्रो. श्रीनिवास त्यागी (गार्गी महाविद्यालय , दिल्ली विश्वविद्यालय) विभिन्न परिवेश से आए छात्रों को एकरूपता से हिन्दी शिक्षण देना चुनौती है। हिन्दी को लोकप्रिय बनाने के साथ - साथ अन्य भाषाओं के अध्ययन के प्रति भी अभिरुचि होना आवश्यक है।

तकनीकी सत्र -2 में विशिष्ट वक्ता प्रो. उलफ़त मुखीबोवा (यूनिवर्सिटी ऑफ ओरिएंटल स्टडीज उज़्बेकिस्तान) ने आभासी पटल(zoom, ऑनलाइन) माध्यम से बताया कि उज़्बेकिस्तान उन 55 देशों है जहां 1947 से हिन्दी पढ़ाई जा रही है ।1991 में उज़्बेकिस्तान में प्राच्य विद्या संस्थान में हिन्दी विभाग बना,2020 में इस संस्थान ने विश्वविद्यालय का रूप ले लिया। भारत को जानने के लिए के लिए हिन्दी भाषा व्याकरण ही नहीं अपितु भारतीय साहित्य को भी पढ़ने की भी आवश्यकता है ।भारतीय दूतावास की सहायता से महात्मा गांधी अध्ययन केंद्र की स्थापना उज़्बेकिस्तान में की गई है। मुख्य वक्ता डॉ. राजशेखर (आई. सी. सी. आर. चेयर, महात्मा गांधी संस्थान, मॉरीशस) ने आभासी पटल (zoom, ऑनलाइन) माध्यम से संगोष्ठी में अपने अभिमत रखते हुए बताया कि मॉरीशस में समकालीन समय में 13 भारतीय भाषाएं प्रयोग की जा रही हैं, वहां 45%लोग हिन्दी बोलने वाले हैं। भोजपुरी और हिन्दी वहां एक - दूसरे से भिन्न हैं।अपनी थकान को भुलाने के लिए हर शाम मज़दूरों द्वारा रामायण या महाभारत का गायन किया जाता है जिसके फलस्वरूप हिन्दी भाषा अनुप्रयोग को बढ़ावा मिलता है। अतिथि वक्ता डॉ. प्रशांत कुमार सिंह   ने बताया कि 3000 भाषा परिवार में भारतीय भाषा परिवार सबसे विशद है। तकनीकी सत्र -2 की अध्यक्ष प्रो. ममता (भीमराव अम्बेडकर महाविद्यालय, दिल्ली

विश्वविद्यालय) ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में सभी वक्ताओं के महत्वपूर्ण बिंदुओं को रेखांकित करते हुए भाषा की सहजता पर बल दिया जिससे कि वह अधिक - से अधिक जनमानस तक पहुंच सके।

तकनीकी सत्र -3 में विशिष्ट वक्ता डॉ. निलुफ़र खोडजायेवा(ताशकंद ,राजकीय प्राच्य विद्या विश्वविद्यालय, उज़्बेकिस्तान) ने आभासी पटल (zoom, ऑनलाइन) माध्यम से बताया कि अनुवाद का अपनापन क्षेत्रीय भाषाओं में अधिक समझ आता है। मुख्य वक्ता प्रो. राजेश लक्ष्मण (हिन्दी शिक्षा संघ, दक्षिण अफ्रीका संचालन प्रबंधक, दक्षिण अफ्रीका) ने भी आभासी पटल (zoom, ऑनलाइन)के माध्यम से संगोष्ठी में अपने विचार रखते हुए बताया कि महात्मा गांधी संस्थान में हिन्दी शिक्षण हेतु वहां के प्राध्यापकों को 15 दिन का कोर्स कराया कराया जाता है। दक्षिण अफ्रीका में हिन्दी के अनुप्रयोग को व्हाट्स एप माध्यम ने भी बढ़ाया है। वहां के लोग हिन्दी पढ़ते हैं एवं हिन्दी गाना गाते हैं पर हिन्दी भाषा बोलने में सकुचाते हैं। अतिथि वक्ता डॉ. प्रदीप कुमार सिंह (हिन्दी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय) ने बताया की विभिन्न परिवेश से आने वाले विद्यार्थियों को एक ही तरह से हिन्दी शिक्षण देना अनुचित है। जहां हिन्दी चलन में नहीं है वहां के विद्यार्थियों के लिए हिन्दी सीखना कठिन हो जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि लैंग्वेज पैथालॉजी और सी.एल.टी. आदि के माध्यम से हिन्दी शिक्षण देना चाहिए। तकनीकी सत्र -3 की अध्यक्ष प्रो. नीलम राठी ने सभी वक्ताओं के वक्तव्यों का सारांश प्रस्तुत करते हुए हिन्दी को रोचक और रोजगारोन्मुख बनाने एवं अंग्रेज़ी की अपेक्षा हिन्दी के अधिकाधिक प्रयोग पर बल दिया।

इस प्रकार 05 सितम्बर 2024 ,एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी "वैश्विक स्तर पर हिंदी शिक्षण की चुनौतियाँ " में दिल्ली विश्वविद्यालय तथा विश्व के प्रमुख विश्वविद्यालयों में हिन्दी शिक्षण करने वाले प्राध्यापकों एवं हिन्दी भाषा के विद्वानों द्वारा दिए गए महत्वपूर्ण व्याख्यानों से दौलत राम महाविद्यालय का सभागार अनवरत ज्ञान के आलोक से देदीप्यमान रहा। संगोष्ठी में वक्ताओं द्वारा प्रस्तुत किए गए विचार एवं तर्क अत्यंत प्रभावोत्पादक एवं सभी को हिन्दी भाषा की ओर उन्मुख और प्रेरित करने वाले थे ।

संगोष्ठी के सभी सत्रों में विद्वानों द्वारा ज्ञानवर्धक एवं शोधपरक सिद्धांतों को प्रस्तुत किया गया एवं उन्हें व्यवहारिक रुप में परिवर्तित करने हेतु विभिन्न प्रकार की परिकल्पनाएं साझा की गईं। प्रो. राजेश लक्ष्मण (दक्षिण अफ्रीका) से, प्रो. उलफ़त मुखीबोवा एवं डॉ. निलुफ़र खोडजायेवा (ताशकंद, उज़्बेकिस्तान) से, डॉ. राजशेखर (मौरिसियो) से, प्रो. वेदप्रकाश सिंह (जापान) से तथा डॉ. यन् वू यू सोन (दक्षिण कोरिया) से आभासी पटल (zoom, ऑनलाइन)पर जुड़े तथा अपने गंभीर और प्रभावशील विचारों से सभी को प्रज्ञावान एवं प्रभावित किया। भारतीय प्राध्यापकों ने संगोष्ठी में प्रत्यक्ष रूप से(ऑफलाइन) वैश्विक स्तर पर हिंदी शिक्षण में दृष्टिगत होने वाली विभिन्न प्रकार की चुनौतियों, चुनौतियों के कारण एवं उनके समाधान प्रस्तुत किए । विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए प्राध्यापक ,

शोधार्थी एवं विद्यार्थी इस संगोष्ठी सरस्वती सरोवर से उत्सर्जित ज्ञान रूपी पीयूष वर्षा में सराबोर होते रहे।

संगोष्ठी के अंत में प्रतिभागियों द्वारा शोध- प्रपत्र वाचन भी हुआ। संगोष्ठी का समापन विभागाध्यक्षा और संगोष्ठी की संयोजक डॉ. ज्योति शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित कर किया।

इस प्रकार महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. सविता रॉय के आशीर्वाद एवं कुशल मार्गदर्शन एवं हिन्दी विभाग की विभागाध्यक्षा और संयोजक डॉ. ज्योति शर्मा , संयोजक डॉ. संतोष कुमार भारद्वाज , सह-संयोजक डॉ. समला देवी, डॉ. विजय कुमार एवं डॉ. अविनाश मिश्रा के अथक परिश्रम के फलस्वरूप एवं हिन्दी विभाग की आयोजन समिति सदस्यों की सहायता एवं प्रबुद्ध वक्ताओं के भाव-गंभीर से परिपूर्ण व्याख्यानों, शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों की उत्साहवर्धक एवं ऊर्जावान उपस्थिति से एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी "वैश्विक स्तर पर हिन्दी शिक्षण की चुनौतियाँ" 05 सितम्बर,2024 सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

डॉ. ज्योति शर्मा
(विभागाध्यक्षा एवं संयोजक)
(हिंदी विभाग)
दौलत राम महाविद्यालय

संरक्षक

प्रो. सविता रॉय

संयोजक

प्रो. पद्मश्री मुदगल

संयोजक

डॉ. ज्योति शर्मा

संयोजक

डॉ संतोष कुमार भारद्वाज

सह- संयोजक

डॉ. समला देवी

डॉ. विजय कुमार

डॉ. अविनाश मिश्रा

आयोजन समिति-

डॉ. सीमा रानी, डॉ. सुनीता दुरंगल , डॉ. अनीता मिंज, डॉ. कुसुमलता, डॉ .संतोष सेन, डॉ .नीतू गुप्ता, डॉ. विद्या राम मीणा , डॉ. मनीष कुमार चौधरी, डॉ. शीतल कुमारी, डॉ.संजीता , डॉ. संतोष।

नोट : 05 सितम्बर, 2024,अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के सफलतापूर्वक आयोजन के पश्चात् प्रतिभागियों को प्रमाण - पत्र प्रदान किए गए।